Chapter 2:

Forms of Business Organization

व्यावसायिक संगठन के रूप

Part 2

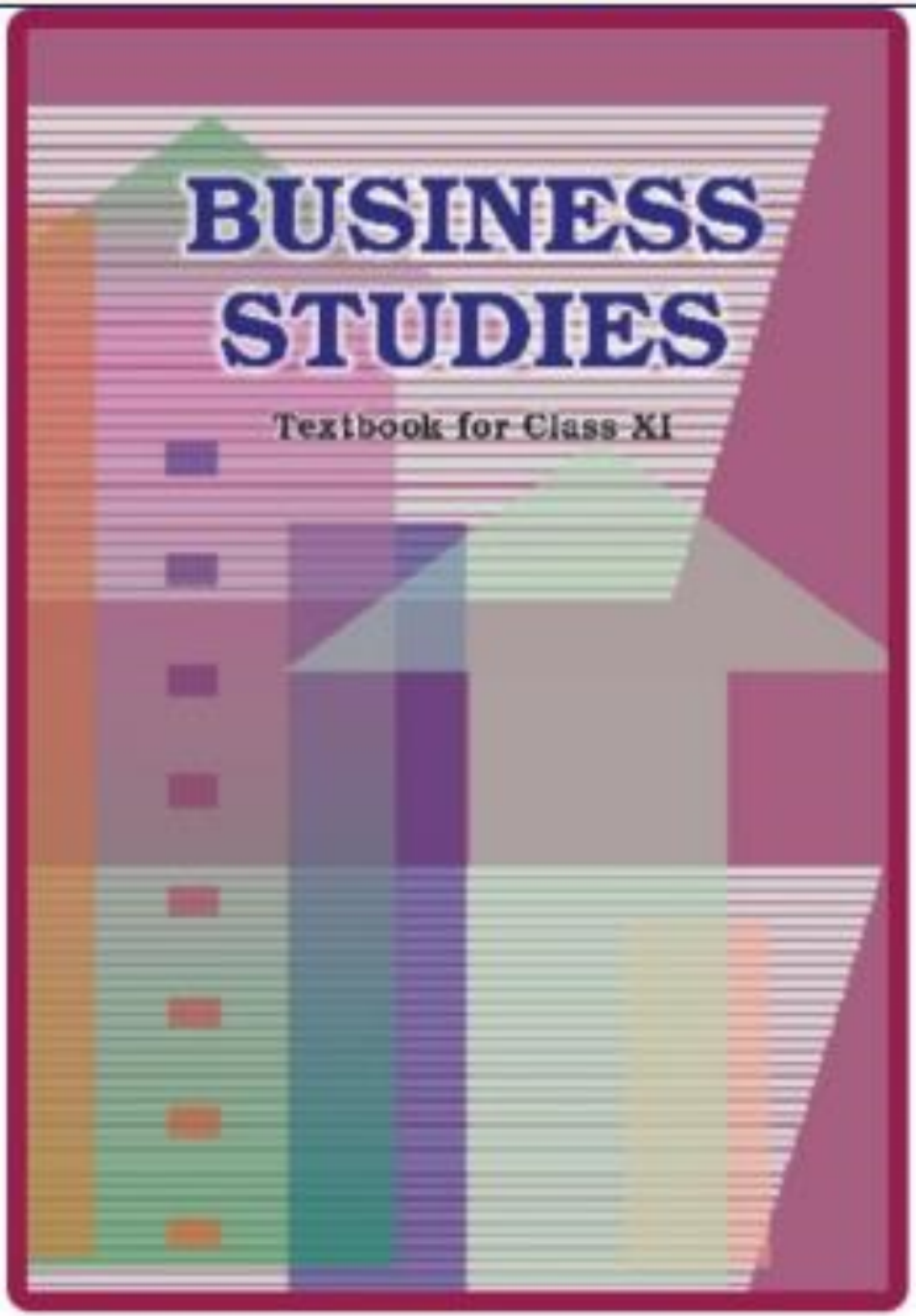

Cooperative Society Act 1912

At least 10 adults, no maximum limit in case of ________.

(a) Cooperative Society

(b) Joint Hindu Family

(c) Partnership

(d) Company

कम से कम 10 वयस्क, ______ के मामले में कोई अधिकतम सीमा नहीं।

(a) सहकारी समिति

(b) संयुक्त हिंदू परिवार

(c) साझेदारी

(d) कंपनी

Satish lost his job during the Covid-19 pandemic now he wants to start a business of his own in his hometown, Satish had limited finance available with him and he does not want many legal formalities to start a business, suggest Satish which forms of business organisation he should go for:

1. Partnership
2. Sole proprietorship
3. Joint hindu family business
4. Cooperative society

कोविड-19 महामारी के दौरान सतीश की नौकरी चली गई। अब वह अपने गृहनगर में अपना व्यवसाय शुरू करना चाहता है। सतीश के पास सीमित धन उपलब्ध है और वह व्यवसाय शुरू करने के लिए ज़्यादा कानूनी औपचारिकताएँ नहीं चाहता। सतीश को सुझाव दें कि उसे किस प्रकार का व्यावसायिक संगठन चुनना चाहिए:

1. साझेदारी
2. एकल स्वामित्व
3. संयुक्त हिंदू पारिवारिक व्यवसाय
4. सहकारी समिति

federal structure
संघवाद

In a cooperative society, the principle followed is ______.

(a) One share, one vote

(b) One man, one vote

(c) No vote

(d) Multiple votes

एक सहकारी समिति में, ______ सिद्धांत का पालन किया जाता है।

(a) एक हिस्सा, एक वोट

(b) एक व्यक्ति, एक वोट

(c) कोई वोट नहीं

(d) एकाधिक वोट

Cooperative Society Act कब बना

The first cooperative society in India was:

1. 1904
2. 1912
3. 1919
4. 1949

भारत में पहली सहकारी समिति थी:

1. 1904
2. 1912
3. 1919
4. 1949

- In 1901 the Famine Commission recommended the establishment of Rural Agricultural Banks.
- Edward Law Committee 1904
- Cooperative Credit Societies Act, 1904 - The First Incorporation
- The first cooperative Society in India is the Agricultural Credit Cooperative Society, of Kanaginahal village of Gadag District in Karnataka.
- 1901 में अकाल आयोग ने ग्रामीण कृषि बैंकों की स्थापना की सिफ़ारिश की।
- एडवर्ड लॉ समिति 1904 : सहकारी ऋण समिति अधिनियम, 1904
- भारत की पहली सहकारी समिति कर्नाटक के गडग जिले के कनागिनाहल गाँव की कृषि ऋण सहकारी समिति है।

What are the types of cooperative society?

(1) Producer Cooperative.

(2) Consumer Cooperative.

(3) Marketing Cooperative Society.

(4) All of the above

सहकारी समिति कितने प्रकार की होती है?

(1) उत्पादक सहकारी समिति।

(2) उपभोक्ता सहकारी समिति।

(3) विपणन सहकारी समिति।

(4) उपरोक्त सभी

Types of Cooperative Societies

(i) Consumer's cooperative societies/उपभोक्ता सहकारी समितियाँ:

- To protect the interests of consumers./उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना।

E.g. National Cooperative Consumers' Federation of India Ltd

(ii) Producer's cooperative societies:/उत्पादक सहकारी समितियाँ:

- These societies are set up to protect the interest of small producers. The members comprise of producers desirous of procuring inputs for production of goods to meet the demands of consumers.
- ये समितियाँ छोटे उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए स्थापित की जाती हैं। इनके सदस्य वे उत्पादक होते हैं जो उपभोक्ताओं की माँगों को पूरा करने के लिए वस्तुओं के उत्पादन हेतु इनपुट प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं।
- E.g. Sugarcane Co-operative Marketing Committee, Cotton Co-operative Marketing Committee/ गन्ना सहकारी विपणन समिति, कपास सहकारी विपणन समिति

(iii) Marketing cooperative societies:

Such societies are established to help small producers in selling their products. The members consist of producers who wish to obtain reasonable prices for their output.

ऐसी समितियों की स्थापना छोटे उत्पादकों को अपने उत्पाद बेचने में मदद करने के लिए की जाती है। इसके सदस्य वे उत्पादक होते हैं जो अपने उत्पादन का उचित मूल्य प्राप्त करना चाहते हैं।

E.G. Amul

(iv) Farmer’s cooperative societies/किसान सहकारी समितियाँ

- These societies are established to protect the interests of farmers by providing better inputs at a reasonable cost. Such societies provide better quality seeds, fertilisers, machinery and other modern techniques for use in the cultivation of crops.
- इन समितियों की स्थापना किसानों के हितों की रक्षा के लिए उचित मूल्य पर बेहतर निवेश उपलब्ध कराकर की जाती है। ये समितियाँ फसलों की खेती में उपयोग के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक, मशीनरी और अन्य आधुनिक तकनीकें उपलब्ध कराती हैं।
- E.g. IFFCO (Indian Farmers Fertiliser Cooperative)

(v) Credit cooperative societies/क्रेडिट सहकारी समितियाँ:

Credit cooperative societies are established for providing easy credit on reasonable terms to the members. The members comprise of persons who seek financial help in the form of loans.

ऋण सहकारी समितियों की स्थापना सदस्यों को उचित शर्तों पर आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए की जाती है। इसके सदस्य वे लोग होते हैं जो ऋण के रूप में वित्तीय सहायता चाहते हैं।

E.g. Village Service Cooperative Society and Urban Cooperative Banks/ग्राम सेवा सहकारी समिति और शहरी सहकारी बैंक

Liability → Unlimited
→ Joint liability
Several liability

In partnership, partners liabilities are

A) Unlimited

B) Limited to the capital of the business

C) Limited

D) Both A and C

साझेदारी में, साझेदारों की देनदारियाँ होती हैं:

A) असीमित

B) व्यवसाय की पूँजी तक सीमित

C) सीमित

D) A और C दोनों

Which is not a feature of a partnership business?

साझेदारी व्यवसाय की कौन सी विशेषता नहीं है?

A) Ease of formation

B) Limited liability

C) Limited life

D) Mutual agency

A) गठन में आसानी

B) सीमित देयता

C) सीमित जीवन

D) पारस्परिक एजेंसी

Partnership/साझेदारी

The Indian Partnership Act, 1932 defines partnership as "the relation between persons who have agreed to share the profit of the business carried on by all or any one of them acting for all."

भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 में साझेदारी को इस प्रकार परिभाषित किया गया है, "उन व्यक्तियों के बीच का संबंध जो सभी या उनमें से किसी एक द्वारा सभी के लिए कार्य करते हुए चलाए जा रहे व्यवसाय के लाभ को साझा करने के लिए सहमत हुए हैं।"

Major characteristics:/प्रमुख विशेषताएँ:

(i) Formation/गठन:

- A legal agreement wherein the terms and conditions for sharing of profits and losses and the manner of conducting the business are specified.

- एक कानूनी समझौता जिसमें लाभ और हानि के बंटवारे के लिए नियम और शर्तें तथा व्यवसाय संचालन का तरीका निर्दिष्ट किया जाता है।

(ii)Liability/देयता

- Unlimited liability
- Joint liability
- Risk bearing:

(iv) Decision making and control:

- Mutual consent/आपसी सहमति.

(v) Lack of Continuity/निरंतरता का अभाव:

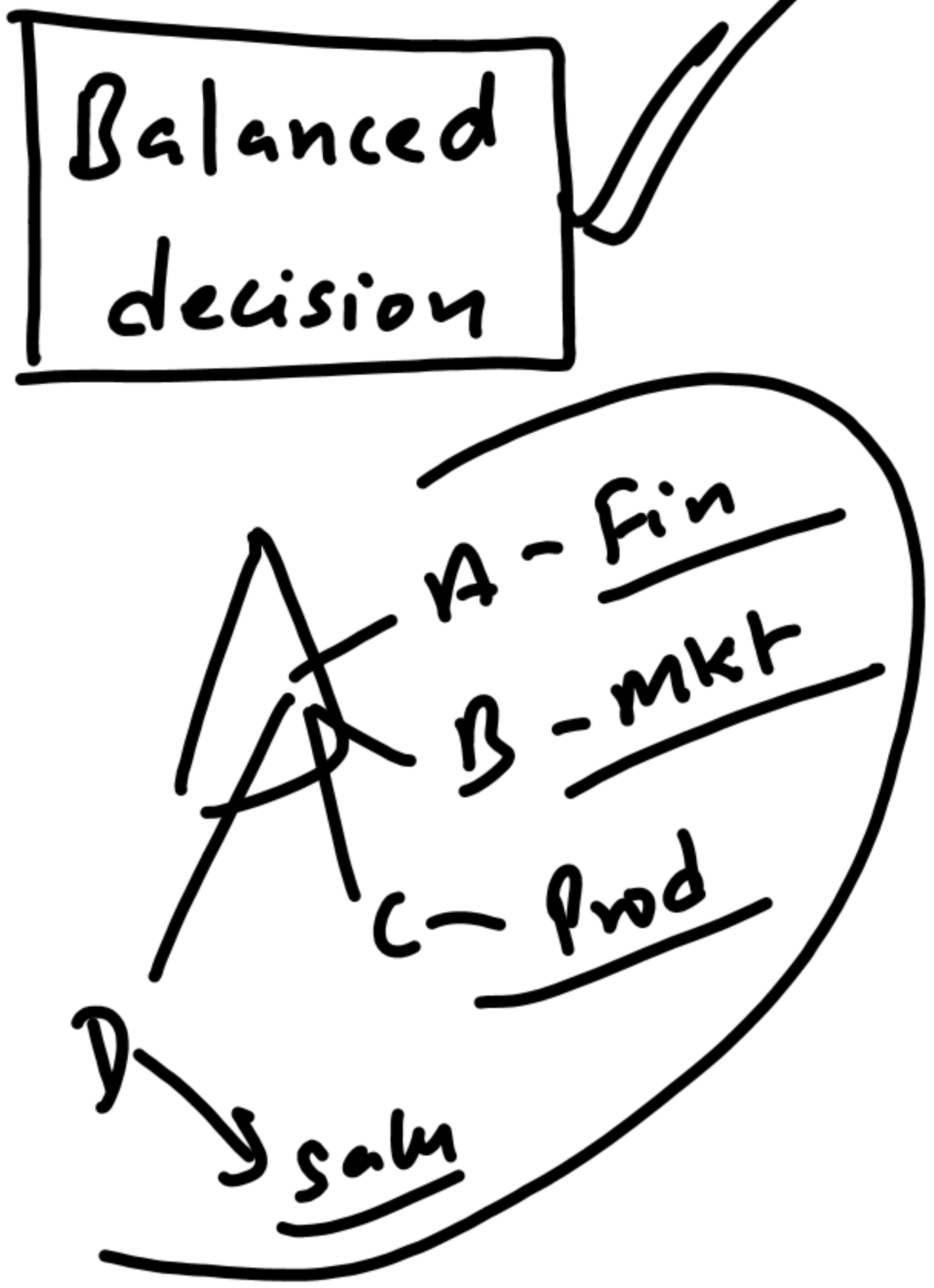

(vi) Number of Partners:

- The Companies Act, 1956: (20 Max/ 10 Max (Banking))
- Section 464 of the Companies Act 2013: 100 (Max)
- As per Rule 10 of The Companies (miscelleneous) Rules 2014: 50 (Max)

(vii) Mutual agency:/पारस्परिक एजेंसी:

- It is a business carried on by all or any one of the partners acting for all./यह एक ऐसा व्यवसाय है जो सभी भागीदारों या उनमें से किसी एक द्वारा सभी के लिए कार्य करते हुए चलाया जाता है।

- Every partner is both an agent and a principal./प्रत्येक साझेदार एजेंट और प्रिंसिपल दोनों होता है।

The main disadvantage of a general partnership is _____.

(a) The unlimited liability of the partners

(b) Disagreement amongst partners

(c) Shared management

(d) Difficulty of termination

सामान्य साझेदारी का मुख्य नुकसान है:

(क) साझेदारों की असीमित देयता

(ख) साझेदारों के बीच मतभेद

(ग) साझा प्रबंधन

(घ) समाप्ति की कठिनाई